मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. (हिन्दी))

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. बौद्ध धर्म के उदय एवं विकास पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए। 10

2. आर्य असंग के रचनात्मक कार्यों की चर्चा कीजिए। 10

3. "चार्वाक दर्शन का स्वर मानवतावादी है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 10

4. मिलिन्द की जिज्ञासा में निहित जीवन-सन्दर्भों पर प्रकाश डालिए। 10

5. नाथ साहित्य पर बौद्ध दर्शन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 10

6. सिद्ध कवि सरहपा के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बताइए। 10

7. तेलुगु के प्रमुख संत कवियों का परिचय दीजिए। 10

8. निर्गुण संतकाव्य के सामाजिक पक्ष पर चर्चा कीजिए। 10

9. लोकायत दर्शन के विभिन्न पक्षों पर विचार कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 2 = 10$

(क) नाथ पंथ

(ख) विज्ञानवाद

(ग) आत्मवाद

(घ) धर्मकीर्ति

× × × × ×